INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD)
© 2026 IJNRD | Volume 11, Issue 2, February 2026 | ISSN: 2456-4184 | IJNRD.ORG

रोजगार के अवसर एवं भाषा कौशल का महत्त्व

प्रा. डॉ. उत्तम ओंकार येवले
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
कला, विज्ञान व वाणिज्य महाविद्यालय, कोल्हार। तह. राहाता जिला. अहिल्यानगर।
भ्रमणध्वनि - 9822423972
इमेल - yewaleuttam71@gmail.com

शोध: सारांश -

वर्तमान समय में इस वैश्वीकरण के जमाने में अब रोजगार के अवसर केवल शैक्षिक योग्यता तक सीमित नहीं रहे हैं बल्कि भाषाई कौशल एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण कारण बन गया है। बढ़ते वैश्वीकरण के कारण पूरा विश्व एक छोटा-सा देश बनता जा रहा है। ऐसी स्थिति में भाषा, ज्ञान और कौशल्य एवं परीक्षा सर चढ़कर बात कर रहे हैं। वैश्वीकरण और प्रतियोगिता के युग में रोजगार के अवसरों का स्वरूप तीव्र गति से परिवर्तीत हो रहा है। इस परिवर्तनशील परिदृश्य में भाषा कौशल मानव संसाधन के विकास का एक महत महत्त्वपूर्ण घटक बनकर उभरा है। यह शोध प्रपत्र रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में भाषा कौशल की भूमिका, उसकी आवश्यकता, उपयोगिता तथा करियर विकास पर उसके प्रभाव का अध्ययन प्रस्तुत करता है। अध्ययन के उपरांत यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रभावी भाषा कौशल व्यक्ति की रोजगार योग्यता को बढ़ाने में निर्णायक भूमिका निभाता है। भाषा कौशल्य व्यक्ति के व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और कार्य क्षमता को निखारता है।

प्रमुख शब्द - दक्षता, रोजगार, अवसर भाषा कौशल, संचार वैश्वीकरण।

प्रस्तावना -

भाषा मानव संप्रेषण का महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षा, प्रशासन, व्यापार, उद्योग और सेवा क्षेत्रों में भाषा के बिना कार्य की कल्पना की ही नहीं जा सकती। आज के इस विज्ञान युग में रोजगार के अवसर केवल तकनीकी दक्षता पर निर्भर नहीं बल्कि प्रभावी भाषा कौशल भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। इस शोध का उद्देश्य यह विश्लेषण करना है कि भाषा कौशल किस प्रकार रोजगारों के अवसरों को प्रभावित करता है।

शोध : पद्धति - इस प्रपत्र में वर्णनात्मक और विश्लेषणालक शोध पद्धति का उपयोग किया है।

विषय विस्तार -

रोजगार के अवसर एवं भाषा कौशल्य का महत्त्व के अंतर्गत रोजगार प्राप्ति के लिए और उसके विकास के लिए भाषा कौशल्य का अनन्य साधारण महत्त्व है। इसलिए सबसे पहला प्रश्न यह है कि रोजगार का अर्थ और परिभाषा क्या है?

रोजगार : अर्थ एवं परिभाषा-

वर्तमान युग में रोजगार शब्द हर किसी की जबान का शब्द है। इसका सीधा संबंध हमारे जीवन के साथ है। सामान्य रूप से हम कह सकते हैं कि आ-जीविका का साधन रोजगार है। 'राजकमल सहज समांनातर' कोश में अरविंदकुमार तथा कुसुमकुमार ने रोजगार का अर्थ "धंदा /आजीविका दिया है।"[1] 'सुलभ हिंदी मराठी शब्दकोश' में रोजगार- "(फा) सं.पु.) किया जानेवाला कार्य जो जीविका निर्वहण के लिए प्रतिदिन करना पडता है, पेशा. व्यापार; व्यवसाय"[2] दिया है। रोजगार के अन्य सांदर्भिक अर्थ इस प्रकार है- व्यवसाय, रोजगार कारबार, चाकरी, खिदमत सेवा धंदा. है। स्पष्ट है कि रोजगार के मुख्य तथा सांदर्भिक अर्थों से आजीविका के साधनों का बोध होता है जो जीविका पार्जन तथा अर्थार्जन के माध्यम कहे जा सकते हैं। 'विकिपीडिया' पर रोजगार तथा आजीविका का अर्थ एवं परिभाषा इस प्रकार दी है- "कोई भी व्यक्ति जीवन के विभिन्न कालावधियों में जिस क्षेत्र में काम करता है उसी को उसकी आजीविका या वृत्ति'

या करियर कहते हैं।"[3] इस परिभाषा से यह स्पष्ट हो जाता है कि किसी भी व्यक्ति के आजीविका के लिए किसी एक क्षेत्र को चुनना अर्थात उसमें काम करना ही रोजगार है।

उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर समन्वित रूप से रोजगार को इस प्रकार परिभाषित किया जा सकता है - रोजगार अंग्रेजी के एम्प्लॉयमेंट शब्द का पर्यायवाची शब्द है। रोजगार वह है जिस साधन के माध्यम से जीवन - यापन तथा जीविकोपार्जन की समस्या का समाधान होता है। रोजगार प्राप्तकर्ता किसी भी क्षेत्र में परिश्रम करके अपने अर्थार्जन के स्त्रोतों को पुष्ट बनाता है। साथ ही यह स्वयं की समस्याओं के समाधान के साथ राष्ट्रीय विकास में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से अपना योगदान देता है।

कौशल्य शब्द का अर्थ और परिभाषा -

'नालंदा विशाल शब्द सागर शब्दकोश' के अनुसार कौशल्य शब्द का अर्थ " कौशल्य (सं.पु.) कुशलता चातुरी, कारगिरी भलाई, कोशल देश का निवासी है।"[4] अर्थात किसी भी काम या बात करने के ढंग को कौशल्य कहते हैं। 'विकीपिडिया' के अनुसार कौशल्य शब्द का अर्थ है - "कुशलता, निपुणता, योग्यता, हुनर या किसी काम को ठीक से या प्रभावी ढंग से करने की क्षमता जो अभ्यास और ज्ञान से आती है। जैसे Skill या Expertise यह एक विशेष कार्य को सटीकता और दक्षता के साथ करने की सीखी हुई शक्ति है।"[5] संक्षेप में कौशल्य की परिभाषा इस प्रकार है- "कोई भी काम ज्ञान और अनुभव के आधार पर सटीकता से कम समय में पूर्ण करना ।"

रोजगार और भाषा कौशल का स्वरुप -

रोजगार और मनुष्य का घनिष्ठ संबंध है। हर जीवित मनुष्य किसी न किसी प्रकार के रोजगार के बूते पर ही अपनी जीविका का निर्वहन करता है। रोजगार के अभाव में मनुष्य के जीवित रहने की अपेक्षा करना भी बेकार है। रोजगार का स्वरूप मनुष्य के कौशल पर अवलंबित रहता है। जीवन-यापन के लिए परिश्रम, रोजगार और कौशल्य महत्त्वपूर्ण माना जाता है। साहित्य, शिक्षा, संस्कृति, राजनीति, चिकित्सा कृषि, विज्ञान, संचार माध्यम, सूचना तकनीकी, अनुवाद, बैंक, सुरक्षा तथा अन्यान्य कार्यालयों के क्षेत्रों में रोजगार का स्वरूप विभिन्न रूपों में पाया जाता है। सेवा, रोजगार तथा अर्थाभाव का एक - दूसरे के साथ घनिष्ठ संबंध है। आज के इस भौतिकी युग में अनेक क्षेत्रों में असीम रोजगार की संभावनाएँ उपलब्ध है। लेकिन हर कोई इन संभावनाओं का तथा अवसरों का लाभ नहीं उठा सकता। इन क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार का लाभ वहीं उठा सकता है, जिसमें भाषा कौशल गुण तथा परिश्रम करने की तैयारी होती है।

शिक्षा का उद्देश्य समाज को शिक्षित तथा सुसंस्कारित बनाना है। लेकिन उसका दूसरा पक्ष रोजगार प्राप्त करना उससे भी ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। इस संदर्भ में मनोज वाजपेयी लिखते है- "आज स्थिति कुछ ऐसी हुई है कि योग्यता एवं प्रतिभा को नौकरी और रोजगार की ग्यारंटी नहीं माना जा सकता। वर्तमान में समय और समाज ने शिक्षा को सीधा रोजगार के साथ जोड़ दिया है। इस बात पर चिंता की अपेक्षा चिंतन महत्त्वपूर्ण है।"[6] संक्षेप में कहा जा सकता है कि रोजगार के अवसर और भाषा कौशल का स्वरूप व्यापक और विस्तृत है। आज के वर्तमान समय में विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर और भाषा कौशल का महत्त्व आवश्यक है। भाषा कौशल से तात्पर्य है- लेखन, वाचन, श्रवण, अभिव्यक्ति, चिंतन । इन पाँचों कौशलों का संतुलित विकास व्यक्ति को कुशल संप्रेषक बनाता है। भाषा कौशल्य का स्वरूप बहुआयामी होता है। श्रवण कौशल्य से तात्पर्य है-ध्यान पूर्वक सुनने और समझने की क्षमता। प्रकृति ने हमें दो आंखें और दो कान तथा एक जिव्हा दी है। इसलिए हमें ज्यादा सुनना, ज्यादा देखना और कम बोलना चाहिए। एक अच्छा प्रशासक की निशानी होती है सबकी सुनना। जो अच्छा सुनता वह अपने ग्राहको को न्याय दे सकता है। अपने मातहत या अपने से उपर के अधिकारियों को सही सुनने के बाद अपनी राय या मंतव्य कह सकता है। आत्मविश्वास के साथ स्पष्ट और प्रभावी ढंग से बोलने की कला को वाक् चातुर्य कहते हैं। रोजमर्रा के जीवन में, कार्यालयों, में बाजार में, कहीं भी विचारों का आदान- प्रदान होता है। ऐसी स्थिति में साफ-सुथरी भाषा में अपने विचार बेबाक ढंग से व्यक्त करना चाहिए। कार्यालयीन भाषा में बहुत ही कम शब्दों में अपने विचार सरल भाषा में स्पष्ट करें।

भाषा में नम्रता, शीतलता, कोमलता होनी चाहिए। विचारों को शुद्ध और प्रभावशाली ढंग लिखने की क्षमता को लेखन कौशल्य कहते हैं। रोजगार के अवसर एवं भाषा कौशल में लेखन कौशल अपना महत्त्व रखता है। सरकारी कार्यालयों में कार्य करनेवाले अधिकारी सरकारी पत्रों के जवाब देते हैं। इस समय भाषा लेखन कौशल, उसकी मदद करते हैं। फाइलों का सारांश हो या फिर कार्यालयीन पत्र या फिर मिटींग के मद्दे हो। अफसर के पास यदि लेखन कौशल हो तो वह इससे अपना प्रभाव सिद्ध कर सकता है। लिखित सामग्री को सही ढंग से पढ़ने और समझने की योग्यता को पठन कौशल्य कहते हैं। पढ़ते तो सभी है मगर क्या पढ़ा? कैसे पढ़ा? यह महत्त्वपूर्ण है।वैसे तो व्यक्ति जिंदगीभर विद्यार्थी ही होता है। पढ़ने के बाद हमें जो महसूस होता है वह महत्त्व का है। पढ़ने से ही हमारी समज बढ़ती है। हम जिस भी कार्यालय या दफ्तर में काम करते हैं. वहाँ के दस्तावेजों को पढ़ कर उन्हें अच्छी तरह समझकर ही उनके उत्तर लिखने पडते हैं। प्रभावशाली ढंग से किसी मद्दे पर सोच-विचार करना चिंतन' कहलाता है। रोजमर्रा के जीवन में कोई भी काम असफल अथवा सफल क्यों हुआ है? इस बात पर विचार, मंथन, चिंतन करना चाहिए। इससे मयुष्य के सफलता असफलता के राज समझ में आते हैं। उपर्युक्त सभी कौशल्यों का संतुलित विकास व्यक्ति को रोजगार के विविध अवसरों के लिए सक्षम बनाता है।

प्रशासनिक सेवाओं में रोजगार के अवसर और भाषा कौशल का महत्त्व -

प्रशासनिक सेवाए किसी भी देश की शासन व्यवस्था की रीड की हड्डी होती है। हमारे यहाँ आईएएस, आयपीएस, आईएफएस, राज्य लोकसेवा आयोग की सेवाए युवा वर्ग के लिए प्रतिष्ठित रोजगार के अवसर प्रदान करती है। इन सेवाओं में चयन के बाद व्यक्ति को नीति निर्माण, कानून व्यवस्था, विकास योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जनकल्याण से जुडे हुए महत्त्वपूर्ण दायित्त्व निभाने पड़ते हैं। प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत अधिकारी विभिन्न विभागों में जैसे, राजस्व शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, ग्रामीण विकास, नगर प्रशासन आदि में कार्य करती हैं। यह सेवाएँ न केवल स्थाई और सुरक्षित रोजगार देती है बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा, नेतृत्व के अवसर और राष्ट्र निर्माण में योगदान का अवसर प्रदान करती है। ऐसी स्थिति में भाषा कौशल्य का अत्यंत महत्व होता है। एक प्रशासक को जनता से, कर्मचारियों को राजनेता और मिडिया से निरंतर संवाद करना पड़ता है और संवाद भाषा के माध्यम से ही संभव है। अतः स्पष्ट है आपकी भाषाऔ जानदार और छानदार होनी चाहिए। आपकी भाषा तभी जानदार और छानदार होगी जब उसमें भाषा कौशल के गुण होंगे।

सूचना प्रौद्यौगिकी रोजगार के अवसर और भाषा कौशल का महत्त्व -

आधुनिक युग सूचना प्रौदयोगिकी का युग माना जाता है। कंप्यूटर, इंटरनेट, मोबाइल, कृत्रिम बुध्दिमत्ता और डिजीटल प्लैटफार्म का शिक्षा, व्यापार बँकींग, स्वाथ्य, शासन, मीडिया का व्यापक उपयोग हो रहा है। इससे न केवल कार्यक्षमता बढ़ी है बल्कि रोजगार के नये अवसर भी सृजित हुए हैं। जैसे साफ्टवेअर डेव्हलपर, डेटा विश्लेषक, सायबर सुरक्षा, विशेष वेब डिझायनर, डिजीटल मार्केटर आदि। वैश्विक संचार की मुख्य भाषा अंग्रेजी है। अतः अधिकांश प्रोग्रामिंग भाषाओं, साफ्टवेअर निर्देशों, तकनीकी दस्तावेज, अंग्रेजी भाषा में होते हैं। वहीं उसके उपयोग कर्ता स्थानीय होते हैं। अब उसकी सहाय्यता अनुवाद के बिना नहीं हो सकती। यदि कोई ऐरा-गैरा व्यक्ति उसका अनुवाद करता है तो वह हास्यास्पद अनुवाद कहलाऐगा। इससे उस कार्यालय का दर्जा हीन हो जाएगा उस कार्यालय से संबंधित लोग सही ढंग से उन नियमों को नहीं समझेगें। परिणामत: वह कंपनी, का कार्यालय और उसका स्तर गिरता जाएगा। आर्थिक हानी होगी। इसके विपरित यदि कोई उंचे दर्जे का अनुवादक उसका ठीक से अनुवाद करता है तो वह कंपनी, उसके मजदूर, अफसर ठीक ढंग से समझेंगे। इससे उनका कारोबार बढ़ता है, कंपनी को मुनाफा मिलता है और दिन ब दिन उसका विकास होता है। यह विकास केवल भाषा कौशल के कारण होता है।

शिक्षा, मीडिया एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसर और भाषा कौशल का महत्त्व -

शिक्षा का क्षेत्र अब केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं रहा है। यह आज रोजगार के व्यापक अवसर प्रदान भी कर रहा है। विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालय, कोचिंग संस्थानों, शैक्षिक प्रशासन, व्याख्याता, लेखक, साहित्यिक क्षेत्र में विविध प्रकार के रोजगार उपलब्ध है। अध्यापक, प्राध्यापक, पाठ्यक्रम निर्माता, शैक्षिक सलाहकार,

अनुवादक, प्रशिक्षक, आलोचक, पत्रकार, निवेदक, समीक्षक आदि अनेक रोजगार के क्षेत्र उपलब्ध है। इन सभी रोजगार के अवसरों में भाषा कौशल की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण औहै। भाषा कौशल से आशय है- सुनने, बोलने, लिखने, पढने, की क्षमता। एक अध्यापक की जिम्मेदारी है कि वह अपना पाठ्यक्रम प्रभावी ढंग से छात्रों के सम्मुख ले जाएँ। शुद्ध लेखन, स्पष्ट उच्चारण, योग्य विश्लेषण, उचित शब्द चयन और प्रभावी प्रस्तुतीकरण छात्रों पर प्रभाव डालता है। इससे उनमें परिवर्तन हो जाता है। शिक्षा के उद्देश्य को वे सही ढंग से समझतें हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत व्यक्ति तथा पत्रकार, संपादक को प्रशासन से संवाद करने पड़ते हैं। ऐसे में भाषा की अच्छी समझ, अभिव्यक्ति, और लेखन की कार्यकुशलता उन्हें सफल बनाती है। सेमिनार, कार्यशालाएँ, परीक्षाएँ, शोधपत्र लेखन और शैक्षिक प्रकाशनों में भी भाषा कौशल उनकी मदद करता है। मजबूत भाषा कौशल व्यक्ति न लेवल रोजगार दिलाता है, बल्कि उसे एक सफल आत्मविश्वासी शिक्षा विशेषज्ञ बनाता है।

पर्यटन, होटल उद्योग और विपणन में रोजगार के अवसर एवं भाषा कौशल का महत्त्व -

आज के इस वर्तमान युग में पर्यटन, होटल उद्योग और विपणन ऐसे क्षेत्र है, जिनमें रोजगार के अवसर बढ रहे हैं। अंतर्जाल के कारण विश्व की जानकारी हम घर बैठे ले सकते हैं। ऐसी स्थिति में पर्यटन स्थलों का आकर्षण, विदेशी सैर करने की इच्छा जाग उठती है। ट्रेवल एजेंट, टूर आपरेटर, एअरतलाईन स्टाफ, पर्यटन सूचना अधिकारी, जैसे पदों पर रोजगार मिलता है। पर्यटकों से संवाद करने, उन्हें जानकारी देने और उनकी समस्याओं को समझने के लिए प्रादेशिक भाषाओं के साथ ही राष्ट्रभाषा और राजभाषा का ज्ञान भी जरुरी है। प्रभावी भाषा कौशल से पर्यटकों का विश्वास बढ़ता है और सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होता है।

होटल उद्योग में ऑफिस मैनेजर, रिसेप्शनिष्ट, गेस्ट रिलेशन, हाउसकीपिंग स्टाफ, होटल में आनेवाले अतिथियों का स्वागत, उनकी आवश्यकताओं को समझना और उन्हें संतोषजनक सेवा देना भाषा कौशल पर निर्भर करता है। विनम्र और स्पष्ट भाषा अतिथि की संतुष्टि बढाती है। इससे होटल की प्रतिष्ठा और व्यवसाय दोनों में वृद्धि होती है। विपणन के क्षेत्र में सेल्स एग्जीक्यूटिव, मार्केटिंग, मार्केटिंग मैनेजर, ब्रांड प्रमोटर, डिजिटल मार्केटर, कंटेट राइटर और विज्ञापन विशेषज्ञ जैसे रोजगार के अवसर है। ग्राहकों को उत्पाद या सेवा की जानकारी देना, उन्हें आकर्षित करना, विश्वास दिलाना यह भाषा कौशल के बिना संभव नहीं है। कुल मिलाकर हम यह कह सकते है कि उपर्युक्त तीनों क्षेत्रों में रोजगार के अवसर में भाषा कौशल्य महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकतें है।

विज्ञापन, पटकथा, लेखन, साहित्य, सिनेमा, अनुवाद, समालोचन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर एवं भाषा कौशल्य का महत्त्व -

विज्ञापन के क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध है। कॉपी राइटर, कंटेंट राइटर, स्क्रिप्ट लेखन, डिजिटल मार्केटिंग, कन्टेंट क्रिएटर आदि का लेखन करते समय भाषा की प्रकृति पर विशेष ध्यान रखना पडता है। विज्ञापनों की भाषा-सटीक और सार्थक होती है। प्रभावशाली, सरल और आकर्षक भाषा से ग्राहकों को प्रभावित किया जाता है। सही शब्दों के चुनाव में ब्रांड की पहचान बनती है। पटकथा लेखन के क्षेत्र में सब कुछ आपकी भाषा पर अवलंबित होता है। पटकथा लेखक, संवाद लेखक के क्षेत्र में, रस, भाव, छंद, अलंकार, मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियां इन सब का बराबर ध्यान रखना पड़ता है। इसके बिना आपकी रचना निरस हो जाएगी। पटकथा सजीव बनाने लिए भाषा कौशल आपकी मदद करता है। साहित्य सिनेमा अनुवाद और समालोचन के क्षेत्र में भी आज रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध है। यहाँ कमी है गुणवान और भाषा कौशल से युक्त लोगों की। साहित्य, सिनेमा अनुवाद और समालोचन करना या लिखना इतना आसान नहीं है। साहित्य निर्माण करते समय लेखन, वाचन, मनन, पठन, श्रवन करना पड़ता है। यह काम वहीं कर सकता है जिसके पास शब्दसंग्रह मुहावरे, कहावतें, साहित्यिक ज्ञान और समझ होती है। विज्ञापन, पटकथा, साहित्य, सिनेमा, अनुवाद और समालोचना इन सभी क्षेत्रों में भाषा कौशल सफलता की कुंजी है। सशक्त' भाषा ज्ञान न केवल रोजगार के अवसर बढ़ाता है बल्कि व्यक्ति को रचनात्मक, प्रभावशाली बनाना है।

सुझाव -

'रोजगार के अवसर एवं भाषा कौशल का महत्व' इस प्रपत्र के माध्यम से युवाओं को भाषा कौशल प्राप्त करना चाहिए। भाषा कौशल के कारण आपका केवल आत्मविश्वास नहीं ही बढेगा बल्कि आपकी नेतृत्व क्षमता और कार्य कुशलता भी बढेगी।

निष्कर्ष -

उपर्युक्त विवेचन के आधार पर हम यह निश्चित रूप से कह सकते हैं कि वर्तमान समय में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में भाषा कौशल महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस विज्ञान युग में रोजगार के अवसरों का स्वरूप तीव्र गति से बदल रहा है। भाषा मानव संप्रेषण का महत्त्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षा, प्रशासन, व्यापार, उद्योग, सेवा के क्षेत्र में भाषा के बिना कार्य की कल्पना असंभव है। भाषा कौशल व्यक्ति के व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और कार्य क्षमता को निखारता है। रोजगार शब्द का अर्थ व्यवसाय या धंधा है। कोई भी व्यक्ति आजीविका के लिए किसी एक क्षेत्र में व्यवसाय, धंधा करता है, उसे ही रोजगार कहते हैं। कौशल्य शब्द का अर्थ कुशलता है। कोई भी काम, ज्ञान और अनुभव के आधार पर कम समय में अधिक परिश्रम करना कौशल्य कहलाता है। रोजगार और मनुष्य की भाषा का घनिष्ठ संबंध है। रोजगार और भाषा कौशल का स्वरूप व्यापक एवं विस्तृत है। प्रशासनिक सेवा, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, मीडिया, पत्रकारिता, संपादक, पर्यटन, होटल उद्योग, विपणन, विज्ञापन, पटकथा, साहित्य, सिनेमा, अनुवाद, समालोचन आदि अनेक क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने में और उन्हें सफल बनाने में भाषा कौशल हमारी मदद करते हैं। भाषा कौशल का महत्त्व एवं रोजगार प्राप्त करने तक सीमित नहीं है। यह कार्य स्थल पर सफलता और विकास करने मेंमहत्त्वपुर्ण भूमिका अदा करते हैं। स्पष्ट बोलतने, सही लिखने, ध्यानपूर्वक सुनते और प्रभावी ढंग से विचार व्यक्त करने की क्षमता को आत्मविश्वासी बनाती है। अच्छे भाषा कौशल के कारण कर्मचारी अपने विचार वरिष्ठों तक सही रूप में पहुचाते हैं। इससे टीमवर्क बेहतर होता है। अतः कहा जा सकता है कि आज के समय में रोजगार के अवसरों को प्राप्त करने और उन्हें सफल बनाने एवं वहां पर टिके रहने के लिए भाषा कौशल्य अत्यंत आवश्यक है।

संदर्भ सूची -

1. राजकमल सहज समानांतर कोष - रविंद कुमार, कुसुम कुमार, पृष्ठ, 777 राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. नई दिल्ली। प्र. सं. 2006
2. सुलभ हिंदी मराठी कोष - यशवंत रामकृष्ण दाते, प्रकाशक, ज्योति धावडे, पृष्ठ, 668 समर्थ सदन गिरगांव मुंबई। आवृत्ति 1953
3. https://www.merriam-webster.com
4. नालंदा विशाल शब्द सागर - आदिश कुमार जैन संपादक मंडल, पृष्ठ, 269 प्रकाशक आदेश बुक डिपो करोल बाग नई दिल्ली प्र.सं. 1997
5. http://hi wikipedia.org/Wiki /कुशलता
6. करियर प्रशिक्षण एवं स्वरोजगार कौशल, मनोज बाजपेई, पृष्ठ, 13 मार्क पब्लिकेशर्स, वैशाली नगर जय
7. पुर। प्र. सं. 2018

• **Copyright & License:**
© Authors retain the copyright of this article. This work is published under the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY 4.0), permitting unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.